

ग्रसाधारस

EXTRAORDINARY

भाग П-खण्ड 3--उपलण्ड (11)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 403] नई विल्ली, बृहस्पतिबार, नवस्बर 29, 1973/म्रप्रहायण 8, 1895

No. 403] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 29, 1973/AGRAHAYANA 8, 1895

इस भाग में भिन्न पुट्ट संख्या दी ज़ाली है जिससे कि ग्रह ग्रलग संकलन के ऊप में रहा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th November 1972

- **S.O.** 717 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (a) of sub-section (2) of section 36 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the International Airports Authority of India (Conditions of Service of the Chairman and other whole-time Members) Rules, 1973.
 - (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of February, 1972.
- 2. Salary,—(1) The salary payable to the Chairman shall be in the pay scale of Rs. 3000-125-3500 per month.
- (2) The salary payable to every other whole-time member shall be in the pay scale of Rs. 2500-100-3000 per month, or such other pay scale as may be determined by the Central Government at the time of the appointment of each whole-time member.
- 3. Residential Accommodation—The Chairman and every other whole-time member shall be entitled to unfurnished accommodation on deduction of 10% of the salary subject to the ceiling on the monthly rents I for such accommodation to be regulated in accordance with the instructions issued by the Central Government in this behalf from time to time, or to draw such house rent allowance as is admissible to the highest category of officers in the whole-time employment of the Authority
- 4. Free use of car.—The use of the car of the Authority by the Chairman or every other whole-time member, for private purposes, shall be regulated in accordance with the instructions issued by the Central Government in this behalf from time to time.

- 5. Travelling allowance, joining time and joining time pay.—The Chairman and every other whole-time member shall be entitled to such travelling allowance, joining time and joining time pay while proceeding to join duty their initial appointment and on reversion therefrom as are admissible to the highest category of officers in the whole-time employment of the Authority.
- 6. Travelling and daily allowance for journeys on tour.—(1) The Chairman and every other whole-time member shall be entitled to draw such travelling allowance on tour as is admissible to the highest category of officers in the whole-time employment of the Authority.
- (2) The Chairman and every other whole-time member shall be entitled to draw such daily allowance for journeys on tour as is admissible to the highest category of officers in the whole-time employment of the Authority.
- 7. Other allowances and conditions of service.—The other allowance and conditions of service of the Chairmen and every other whole-time member shall be such as may be determined by the Central Government at the time of their appointment.

'rovided that as respects any matter which is not so specifically determined by the Ceatral Government, the regulations applicable in that behalf to the highest category of officers in the whole-time employment of the Authority shall apply to the Chairman and every other whole-time member.

CHAPTFR 2

MISCELLANBOUS

MEMORANDUM

The Chairman and a whole-time member have been appointed with effect from 1-2-1972 and 1-10-1972 respectively but as several fomalities have to be gone through, these rules could not be notified earlier. Accordingly, retrospective effect has been given to these rules. It is confirmed that no one—is adversely affected thereby.

[No. AV-24011/5/72-AA] N. KHOSLA, Jt, Secy.

पर्यटन श्रौर नगर विमानन मंत्रालय ग्रिषसुचना

नई दिल्ली, 29 नवन्बर, 1973

का॰ भा॰ 7.17(म्र).—केन्द्रीय सरकार, भारत के म्रन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकारी श्रिधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 36 की उपधारा (1) तथा उपधारा (2) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्निलिखिन नियम बनाती है, भ्रथात् :---

- संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत के श्रन्तरिष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकारी (श्रष्ट्यक्ष तथा श्रन्य पूर्णकालिक सदस्यों की सेवा शर्ते) नियम, 1973 है।
 - (2) ये निवम पहली फरवरी, 1972 से लागू माने जाएंगे।
- 2. **बेतन**.—(1) श्रष्टयक्ष को देय वेतन 3000-125-3500 रुपये प्रति मास के वेतनमान में होगा।
- (2) प्रत्येक श्रन्य पूर्णकालिक सदस्य को देय बेतन 2500-100-3000 रुपये प्रतिमास के वतनमान में श्रथवा किसी श्रन्य ऐसे बेतनमान में होगा जो प्रत्येक पूर्णकालिक सदस्य की नियुक्ति के समय केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रवधारित किया जाए ।

- 3. भावास गृह.--- श्रध्यक्ष तथा अन्य प्रत्येक पूर्णकालिक सदस्य वेतन के 10 प्रतिशत की कटौती पर, जो कि केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर इस विषय में जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार इस प्रकार के श्रावास स्थान का नियमन करने के लिए निर्धारित मासिक किराये की सीमा से श्रधिक नहीं होगी, अमिजित श्रावास गृह के हकदार होंगे, अथदा प्राधिकरण में पूर्णकालिक उच्चतम वर्ग के श्रधिकारियों को जितना मकान किराया भत्ता अनुजय हो उतना ही वे भी लेने के हकदार होंगे।
- 4. **कारका निःशृत्क प्रयोग.**—ग्रध्यक्ष ग्रथवा सभी ग्रन्य पूर्णकालिक सदस्यों द्वारा गैर-सरकारी प्रयोजनों के लिए प्राधिकरण की कार के प्रयोग का विनियमन केन्द्र सरकार द्वारा इस विषय में समय-समय पर जारी किए गए श्रन्देशों के ग्रनुसार किया जाएगा।
- 5. यात्रा भत्ता, कार्यग्रहण ग्रविष तथा कार्यग्रहण ग्रविष वेतन.—ग्रध्यक्ष तथा ग्रन्य सभी पूर्णं कालिक सदस्य ग्रपनी प्रारंभिक नियुक्ति पर कार्यग्रहण करने श्रथवा उससे प्रत्यावर्तन के श्रदसर पर उसी याद्या भत्ते, कार्यग्रहण ग्रविध तथा कार्यग्रहण ग्रविध वेतन के हकदार होगे जो कि प्राधिकरण की पूर्णकालिक सेवा में उच्चतम वर्ग के श्रधिकारियों के लिए श्रनुजेय हो।
- 6. **दौरे परयात्राभ्रों के लिए यात्रा तथा वैतिक भक्ता.**—(1) भ्रध्यक्ष तथा श्रन्य सभी पूर्णकालिक सदस्य दौरे के लिए ऐसे यात्रा भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे जो प्राधिकरण की पूर्णकालिक सेवा में उच्चतम वर्ग के श्रिधकारियों के लिए श्रनुज्ञोंय हो।
- (2) अध्यक्ष तथा अन्य सभी पूर्णकालिक सदस्य दौरे के समय की गयी यात्राओं के लिए उसी दैनिक भक्ते के हकदार होंगे जो कि प्राधिकरण की पूर्णकालिक सेवा के उच्चतम वर्ग के अधिकारियों के लिए अनुक्षेय हो ।
- 7. भ्रत्य भत्ते तथा सेवा शर्लो.—-अध्यक्ष तथा श्रन्य सभी पूर्णकालिक सदस्यों के श्रन्य भत्ते तथा सेवा की शर्तों वैसी ही होंगी जैसी कि केन्द्रीय सरकार द्वारा उनकी नियुक्ति के समय भ्रवधारित की जाएं परन्तु ऐसी किसी बात के बारे में जिस के बारे में केन्द्रीय सरकार ने इस प्रकार विनिर्दिष्टतः श्रवधारित नहीं किया है, वही विनियम भ्रध्यक्ष तथा अन्य सभी पूर्णकालिक सदस्यों पर लागू होंगे जो कि प्राधिकरण की पूर्णकालिक सेवा के उच्चतम वर्ग के श्रधिकारियों को लागू होंगे।

प्रध्याय 2

विविध

ज्ञापन

श्रध्यक्ष तथा एक पूर्णकालिक सदस्य की नियुक्ति क्रमणः 1-2-1972 तथा 1-10-1972 से की जा चुकी है, परन्तु क्योंकि बहुन सी भ्रौपचारिकनाओं को पूरा किया जाना था, श्रतः ये नियम पहले भ्रधिसूचित नहीं किये जा सके । तदनुसार, इन नियमों का भूतलक्षी प्रभाव होगा । इस बात की पुष्टि की जाती है कि इन नियमों से किसी पर प्रतिकुल प्रभाव नहीं पड़ता है ।

[सं० ए० वी०-24011/5/72-ए०ए०]

नवजीवन खोसला, संयुक्त सचिव ।